ग्रीन डे-अहेड मार्केट

प्रलिम्सि के लयि:

इंडयिन एनर्जी एक्सचेंज, डे-अहेड मार्केट, टर्म-अहेड मार्केट

मेन्स के लयि:

भारतीय ऊर्जा बाज़ार में ग्रीन डे-अहेड मार्केट की प्रासंगकिता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय मंत्री (वद्यिुत, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा) ने '[इंडयिन एनर्जी एक्सचेंज](#)' के अंतर्गत एक नया बाज़ार खंड 'ग्रीन डे-अहेड मार्केट' (GDAM) लॉन्च कयिा है।

- भारत दुनयिा का एकमात्र बड़ा वद्यिुत बाज़ार है, जसिने वशिेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा हेतु 'ग्रीन डे अहेड मार्केट' (जीडीएएम) प्रारंभ कयिा है।

इंडयिन एनर्जी एक्सचेंज:

- इंडयिन एनर्जी एक्सचेंज भारत में पहला और सबसे बड़ा 'एनर्जी एक्सचेंज' है जो बजिली की भौतकि डलिीवरी, नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र और ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र के लयि एक राष्ट्रव्यापी, स्वचालति ट्रेडगि प्लेटफॉर्म प्रदान करता है।

डे-अहेड मार्केट (DAM):

- यह मध्यरात्रि से शुरू होने वाले अगले दनि के 24 घंटों में कसिी भी/कुछ/पूरण समय के वतिरण हेतु एक भौतकि बजिली व्यापार बाज़ार है।

टर्म-अहेड मार्केट (TAM):

- TAM के तहत 11 दनिों की अवधि के लयि बजिली खरीदने/बेचने हेतु अनुबंध कयिा जाता है।
- यह प्रतभिागियों को 'इंट्रा-डे' अनुबंधों के माध्यम से उसी दनि हेतु तथा 'डे-अहेड कांटजिेंसी' के माध्यम से अगले दनि के लयि और इसी तरह दैनकि आधार पर दैनकि अनुबंधों के माध्यम से सात दनिों तक बजिली खरीदने में सक्षम बनाता है।

प्रमुख बदिु

- **परचिय:**
  - यह 'डे-अहेड' आधार पर नवीकरणीय ऊर्जा के व्यापार हेतु संचालति एक बाज़ार है।
  - नोडल एजेंसी के रूप में 'नेशनल लोड डसि्पैच सेंटर' (NLDC), 'पावर ससि्टम ऑपरेशन कॉरपोरेशन लमिटिेड' (POSOCO) ने GDAM के शुभारंभ के लयि अपेक्षति प्रौद्योगकियिों और बुनयिादी ढाँचे की स्थापना की है।
  - GDAM के साथ कोई भी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन कंपनी एक्सचेंज पर नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना और बक्रिी कर सकती है।
- **GDAM की कार्यवधि:**
  - यह पारंपरकि 'डे-अहेड मार्केट' के साथ एकीकृत तरीके से कार्य करेगा।
    - यह एक्सचेंज अलग-अलग 'बडिगि वडिो' के माध्यम से बाज़ार सहभागियों के लयि पारंपरकि और नवीकरणीय ऊर्जा दोनों हेतु एक साथ बडिगि का प्रावधान प्रस्तुत करेगा।
  - अगर बाज़ार सहभागियों की 'बडिगि' क्षमता हरति बाज़ार में ही समाप्त हो जाती है फरि भी यह तंत्र नवीकरणीय ऊर्जा वक्रिेताओं को पारंपरकि खंड के अंतर्गत बडिगि की अनुमति देगा।
  - पारंपरकि और नवीकरणीय दोनों के लयि अलग-अलग मूल्य नर्धिारति कयिे जाएंगे।

- **संभावित लाभ:**
  - **'ग्रीन मार्केट' को मज़बूती:**
    - यह 'ग्रीन मार्केट' को मज़बूती प्रदान करेगा और प्रतिस्पर्द्धी मूल्य सुनिश्चित करेगा, साथ ही यह बाज़ार सहभागियों को सबसे पारदर्शी, लचीले, प्रतिस्पर्द्धी और कुशल तरीके से 'ग्रीन ऊर्जा' में व्यापार करने का अवसर प्रदान करेगा।
  - **नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि में तेज़ी लाना:**
    - यह नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों को बिजली विक्रय के साथ-साथ एक स्थायी एवं कुशल ऊर्जा अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के दृष्टिकोण के प्रति नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि में तेज़ी लाने हेतु एक और विकल्प प्रदान करेगा।
    - वितरण कंपनियाँ अपने क्षेत्र में उत्पादित अधिशेष नवीकरणीय ऊर्जा को बेचने में भी सक्षम होंगी।
  - **PPA आधारित अनुबंध मॉडल से बाज़ार आधारित मॉडल में रूपांतरण:**
    - यह एक 'डोमिनो इफेक्ट' उत्पन्न करेगा, जो धीरे-धीरे बिजली खरीद समझौतों (PPAs) आधारित अनुबंधों से बाज़ार-आधारित मॉडल में रुपांतरण की ओर ले जाएगा।
      - यह वर्ष 2030 तक 450 GW हरित ऊर्जा क्षमता के अपने महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने हेतु भारत के लिये मार्ग प्रशस्त करेगा।
  - **हरित ऊर्जा की कटौती में कमी:**
    - यह हरित ऊर्जा की कटौती को कम करेगा, अप्रयुक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को अनलॉक करेगा और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों को तत्काल भुगतान सुनिश्चित करेगा।
- **भारत में नवीकरणीय ऊर्जा:**
  - भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बिजली उपभोक्ता है और नवीकरणीय स्रोतों से वर्ष 2020 में कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता का 38% (373 GW में से 136 GW) के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक भी है।
  - वर्ष 2016 में **पेरिस समझौते** के तहत भारत ने वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 450 GW या अपनी कुल बिजली का 40% उत्पादन करने की प्रतिबद्धता जताई।
    - GDAM को ऐसे समय में प्रस्तुत किया गया है, जब देश **कोयले की कमी** से जूझ रहा है।
    - देश को जीवाश्म ईंधन के आयातित स्रोतों पर अपनी निर्भरता कम करने की ज़रूरत है।
- **संबंधित पहलें:**
  - राष्ट्रीय सौर मिशन (NSM)
  - राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और SATAT
  - लघु जल विद्युत (SHP)
  - राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन (NHEM)
  - उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना
  - राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और SAYAY

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/green-day-ahead-market